


31 <sup>07</sup>/<sub>19</sub>

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता व वादीगण को  
न्यायालय समय में बट-बट आवले लगावारी  
गई परन्तु कोई उपाय नहीं हुए। लिखित  
प्रकरण अदम वैधी। अदम हाजरी में शारीर  
रिप्रा जाता है। पत्रावली के सब श्रुता ही कर  
जाकर से कर ही। निर्णय खुले न्यायालय  
में श्रुता गया।

  
सहायक कलक्टर  
(एस.डी.ओ.) मुमलगढ  
जिला-राजसमन्

